तापमान
अधिकतम 23 .5 डिग्री
न्यूनतम 9 .8 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 9 फरवरी 2025

11 शोधकर्ताओं को नवीन दृष्टिकोण अपनाने ...

12 दिल्ली में भाजपा की जीत से रोहतक के ...

Duhan Public Residential School, Jassia Required for Session 2025-26

PGT : Physics- 1 75000 to 125000	PGT : Bio- 1 75000 to 125000	PGT : English- 2 35000 to 55000	TGT : Math-1 25000 to 35000	PRT : Math-2 30000 to 40000	Mother Teacher : -5 25000 to 40000 For Bachpan Franchise
PGT : Chemistry- 3 75000 to 125000	PGT : Maths-2 60000 to 125000	PGT : Hindi- 2 20000 to 40000	PRT : Hindi-2 30000 to 40000	PRT : EVS-2 30000 to 40000	TGT : Science - 1 25000 to 40000
PGT : Music- 2 (Female) 25000 to 35000	TGT : SST- 1 25000 to 35000	TGT : English-2 25000 to 45000	PRT : English-2 30000 to 40000	Computer Operator :- 2 Front Desk Counsellor - 2	Receptionist cum Front desk Job :-1

FIRST 10 STUDENTS ADMISSION FEE FREE IN BACHPAN PLAY SCHOOL

BACHPAN PLAY SCHOOL
in collaboration with
AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
AFFORDABLE FEE
ADMISSION OPEN FROM PRE-NURSERY TO 10+2
Walk-in Interview on 9th Feb, Sunday
Minimum three years experience from reputed Institution
Timing : 09:00 am to 3:00 pm
Venue Aakashdeep Duhan Science Institute
Basant vihar, Gali No.1, Sonipat Road ,Rohtak

खबर संक्षेप

मदवि: 10 से 14 तक शोध पद्धति कार्यशाला

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय एवं शिक्षा संकाय के संयुक्त तत्वावधान में 10 से 14 फरवरी तक शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस शोध कार्यशाला के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि चौ. रणबीर सिंह सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान के तत्वावधान में इस कार्यशाला का आयोजन स्वराज सदन में किया जाएगा।

कैंसर के उपचार पर सप्तरंग की गोष्ठी आज

रोहतक। स्थानीय सामाजिक संस्था सप्तरंग द्वारा रविवार को 3 बजे कैंसर - प्रचलित मान्यताए और तथ्य (मिथ्स एण्ड फैक्ट्स) विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली रोड स्थित स्वामी नितानन्द पब्लिक स्कूल में होने वाली इस गोष्ठी में कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर प्रवीण कुण्डू (न्युक्लियर ऑन्कॉलोजिस्ट) इस रोग के लक्षणों, इसकी जांच और इलाज के बारे में जानकारी देंगी।

रूड़की में माही चौदस का भंडारा व मेला 11 को

रोहतक। हुड्डा गोत्र की प्रमुख धार्मिक मान्यता दादी भदा सती की याद में गांव रूडक़ी में 11 फरवरी माही चौदस के दिन विशाल भंडारा व मेला लगाया जा रहा है। यह जानकारी गांव के पूर्व सरपंच शमशेर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि गांव रूड़की में दादी सती का प्राचीन मंदिर है।

सुनारिया जेल वार्डर ने केरल में जीते तीन मेडल

रोहतक। सुनारिया जेल के वार्डर नरेश कुमार ने 6वीं नेशनल मास्टर एथलेक्टिस प्रतियोगिता में तीन पदक जीते हैं। स्पर्धा गत 31 जनवरी से 3 फरवरी तक थ्रिसुर केरला में हुई थी। इन्होंने 1500 मीटर रेस में गोल्ड, 5 हजार में सिल्वर, 10 हजार में भी सिल्वर मेडल जीता।

बिजली निगम चलाएगा मरम्मत के लिए विशेष अभियान

शहर की 81 कॉलोनियों में आज बिजली बाधित रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बिजली नहीं आने की समस्या से रविवार को भी जूझना पड़ेगा। आज शहर में करीब 10 घंटे बिजली नहीं आएगी। कुल 81 कॉलोनियां ऐसी हैं, जिनमें 6-6 घंटे और कुछ में 10 घंटे बिजली गुल रहेगी। पिछले कई दिनों से बिजली निगम का ऐसा ही शेड्यूल चल रहा है। अलग-अलग फीडरों की मुरम्मत करवाई जा रही है, जिस कारण लोगों को बिजली समय पर नहीं मिल पा रही। दरअसल, बिजली निगम इन दिनों गर्मियों की तैयारी में जुटा हुआ है। अभी से फीडरों को ठीक किया जा रहा है, ताकि गर्मी के मौसम में बिजली कट ना लगें। सब डिविजन-1 और सब डिविजन-2-3 के एसडीओ ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है। वहीं म्हारा गांव जगमग गांव योजना के तहत बिजली मीटरों को घरों के अंदर से उखाड़ कर बाहर खंबों पर लगाया जा चुका है। जिले के गांवों को भी 24 घंटे बिजली देने की तैयारियों में जुटा है।

पानी की समस्या भी आएगी

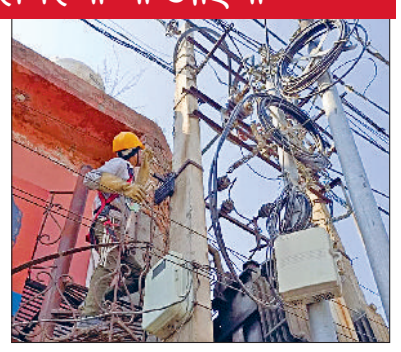

24 घंटे बिजली आपूर्ति की तैयारी

बिजली निगम जिले में 24 घंटे बिजली आपूर्ति देने की तैयारी में जुटा है। निगम की ओर से जिले के अधिकांश गांवों में यह तैयारी पूरी कर ली गई है। कुछ गांव ही ऐसे बचे हैं, जहां कार्य प्रगति पर है। म्हारा गांव जगमग गांव योजना के तहत बिजली मीटरों को घरों के अंदर से उखाड़ कर बाहर खंबों पर लगाया जा चुका है। साथ ही केबल डाली जा चुकी हैं और खंबों को भी बदला गया है। साथ ही पुरानी जर्जर लाइनों एवं ट्रांसफार्मरों की मरम्मत भी की जा रही है।

सुबह 7 से शाम 5 बजे तक

- सब्जी मंडी चौक
- गुलाब रेवड़ी चौक
- चमेली मार्केट
- कसाई चौक
- कच्चा बेरी रोड
- इंदिरा मार्केट
- रेलवे रोड
- गौड़ कॉलेज बाबरा चौक
- हुडा कॉम्प्लेक्स
- विजय नगर
- वकीलों वाली गली
- हरी नगर
- संत नगर
- शक्ति नगर
- छोटू राम चौक
- नारायण कॉम्प्लेक्स
- ग्रीन रोड
- आर्य नगर
- बस्ती पूरा
- झज्जर रोड
- किला रोड
- किला मोहल्ला
- गोहाना अड्डा
- दिल्ली गेट
- बड़ा बाजार
- माता मंदिर चौक
- चावला चौक
- किला रोड
- झंग कालोनी
- मानसरोवर कालोनी
- पालिका बाजार

सुबह 8 से शाम 5:00 बजे तक

- संजय कॉलोनी
- इंदिरा कॉलोनी
- नेहरू कॉलोनी
- गौ कर्ण तालाब
- शोरा कोठ

सुबह 9 से शाम 5 बजे तक

- रैनक पुरा
- साहसी चौक
- कृष्णा कॉलोनी
- खोखरा कोट
- रोहतास नगर
- राजीव नगर

सुबह 9 से 5 बजे तक

- लाढ़ौत रोड
- हैफेड रोड
- पानीपत रोड
- रोड लाइट
- मकड़ौली
- साईं बॉक्सिंग हॉल
- सनसिटी
- हैफेड रोड
- उत्तम विहार
- आजाद गढ़
- दिल्ली रोड
- बस स्टैंड
- विशाल नगर

सुबह 7 से 5 बजे तक

- छोटू राम चौक
- पालिका बाजार
- गोहाना अड्डा
- अशोक नगर
- झग कॉलोनी
- मानसरोवर कॉलोनी
- सिविल रोड
- सोनीपत रोड
- विकास नगर
- बजरंग भवन
- लक्ष्मी नगर
- किशन पूरा
- प्रेम नगर
- दुर्गा कॉलोनी
- संजय नगर
- रहाड़ रोड
- सैनीपुरा
- साईं दास कॉलोनी
- चमनपुरा चुन्नीपुरा
- सैनी स्कूल रोड
- पुलिस लाइन
- लघु सचिवालय
- तहसील

सुबह 9:30 से 1:30 तक

- आरती ग्रीन
- एशियन पेंट
- आईएमटी

धामड़: दो पक्षों के झगड़े में दो युवक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव धामड़ में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। जिसमें दो युवकों गोली लगने के कारण घायल हो गए। घायलों को परिजनों की मदद से निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बता दें कि गांव धामड़ के ही तीन-चार युवकों और गांव से बाहर के कुछ युवकों के बीच रिठाल रोड पर नहर के पास किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसी झगड़े में फायरिंग हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस मामले में घायलों के होश में आने का इंतजार कर रही है। पुलिस ने मिली जानकारी के अनुसार, घायलों की पहचान सौरभ और मनीष के रूप में हुई। फायरिंग में सौरभ के गाल पर गोली लगी है, जबकि मनीष की कनपटी पर गोली लगी। मनीष को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी है। वहीं, घायल सौरभ का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिजनों का कहना है कि उनकी किसी के साथ कोई दुश्मनी नहीं है। पुलिस जांच में जुटी है।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

युवक पर जानलेवा हमले के मामले में तीन आरोपी धरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस ने सांपला कॉलेज में समाचना निवासी युवक पर हुए जानलेवा हमला की वारदात में मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को कोर्ट के आदेश पर एक दिन के पुलिस लिया गया है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि समाचना निवासी दीपांशु की शिकायत के आधार पर थाना सांपला में केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि दीपांशु गवर्नमेंट कॉलेज सांपला में पढ़ता है। पारस निवासी सुनारिया भी इसी कॉलेज में पढ़ता है। 27 जनवरी को दीपांशु व उसके साथी अंकित के साथ लड़ाई झगड़ा कर थप्पड़ मारे। 29 जनवरी को दीपांशु अपने साथियों के साथ कॉलेज में गेट के पास बैठे हुए थे। तभी पारस अपने 10-12 साथियों के साथ वहां आया। पारस के 3-4 साथी हाथों में लकड़ी के बीटे लिए हुए थे। जिन्होंने आते ही गाली गलौच देना शुरु कर दिया। पारस व उसके साथियों ने रास्ता रोककर मारपीट शुरु कर दी। युवक ने दीपांशु पर फॉयर किया। गोली की आवाज सुनकर दीपांशु नीचे गिर गया। पारस व उसके साथियों ने दीपांशु पर बिट्टे से कई वार किए। युवक जान की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

स्वच्छता का महत्व बताया

रोहतक। पीजीआईएमएस के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने शनिवार को नर्सिंग हॉस्टल में छात्राओं ने स्वच्छता अभियान चलाया, जिसमें उन्होंने हॉस्टल के परिसर की साफ-सफाई की। इस अभियान के बाद, छात्रों को फल वितरण किया गया, जो उनके प्रयासों की सराहना के रूप में था। इस अवसर पर प्रिंसिपल सुनीता कुमारी और सभी नर्सिंग कॉलेजों की टीचर मौजूद थीं। उन्होंने छात्रों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया और उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

मदवि में पर्यटन की चुनौतियों पर प्रकाश डाला

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के होटल एवं पर्यटन प्रबंधन संस्थान में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा, रांची के होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी के डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया।डॉ. श्रीवास्तव ने आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र में समकालीन रुझानों एवं चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए शोधार्थियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया। डॉ. श्रीवास्तव ने आतिथ्य एवं पर्यटन में चल रहे शोध कार्यों पर वैश्विक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण साझा करते बहुमूल्य मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

एमडीयू के तीन विद्यार्थियों का चयन मार्केटिंग एनालिस्ट ट्रेनी पद पर हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की कॅरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में वर्चुअल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तीन विद्यार्थियों का चयन बतौर मीडिया मार्केटिंग एनालिस्ट ट्रेनी के तौर पर हुआ।सीसीपीसी निदेशिका प्रो. दिव्या मल्हान ने बताया कि इस वर्चुअल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में प्रतिष्ठित ई-मीडिया इंडस्ट्री टेनहार्ड इंडिया प्रा. लि. ने शिरकत की।

कार्यक्रम में एमबीए के 18 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें से तीन विद्यार्थियों- भूपेन्द्र, जसकीत और देवेश का चयन बतौर मीडिया मार्केटिंग एनालिस्ट ट्रेनी के तौर पर हुआ। इमसॉर निदेशक प्रो. सत्यवान बरोदा तथा सीसीपीसी निदेशिका प्रो. दिव्या मल्हान ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

निरीक्षण एसीएस सुधीर राजपाल ने किया पीजीआई का दौरा, मरीजों का हालचाल जाना

मरीजों के हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की

पीजीआईएमएस में ई-रिक्शा चलाने एवं ई-ऑफिस शुरू करने के दिए आदेश

- ट्रॉमा सेंटर, एलएसएल सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक, एमएस ऑफिस और ऑर्थो वार्ड का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस) में शनिवार को चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) सुधीर राजपाल ने दौरा किया। उनके निरीक्षण के दौरान पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. सुरेश सिंघल, संयुक्त निदेशक डॉ. सुभिता ढाका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, डीन डॉ. कुलदीप लालर, प्राचार्य डॉ. संजय तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. रमेश कुमार सहित जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉक्टर वरुण अरोडा मौजूद रहे। एसीएस सुधीर राजपाल ने पीजीआईएमएस मे मरीजों के हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान प्रतिदिन 7000-8000 ओपीडी की सेवाएं प्रदान कर रहा है, साथ ही 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं भी उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने ट्रॉमा सेंटर, एलएसएल सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक, पीजीआईडीएस, एमएस ऑफिस और ऑर्थो वार्ड का निरीक्षण किया।

एसीएस ने कहा कि सिविल सर्जन और पीजीआईएमएस के निदेशक को मिलकर काम करना चाहिए ताकि मरीजों को विश्वस्तरीय सेवाएं प्रदान की जा सकें। उन्होंने कहा कि यह जानकर गर्व होता है कि पीजीआईएमएस अधिकांश क्षेत्रों में सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं के साथ अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और विभिन्न रैंकिंग एजेंसियों में अच्छा स्थान रखता है। निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल ने बताया कि एसीएस सुधीर राजपाल सबसे पहले ट्रॉमा सेंटर पहुंचे जहां उन्होंने वहां की कार्य प्रणाली के बारे में जाना और मरीजों को अच्छे से अच्छा इलाज उपलब्ध करवाने के दिशा निर्देश दिए। लाल श्याम लाल बिल्डिंग स्थित सुपर स्पेशलिटी विभाग कार्डियक सर्जरी व कार्डियोलॉजी विभाग का निरीक्षण किया और मरीजों से मिले।

टैली कंसल्टेशन सुविधा का निरीक्षण किया

इसके पश्चात एसीएस सुधीर राजपाल ने चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में स्थित टैली कंसल्टेशन सुविधा का निरीक्षण किया और उसे सुबह 9 बजे से 5 बजे तक चलाने की सलाह दी। वहीं इसके बारे में अधिक से अधिक लोगों को यह सुविधा पहुंचने के लिए जागरूकता मुहिम चलाने के बारे में कहा। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल ने बताया कि इसके पश्चात अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वार्ड 12 का निरीक्षण किया और वहां पर उन्होंने मरीजों से बातचीत कर वहां मिल रही सुविधाओं व चिकित्सकों के उपचार के बारे में मरीजों से विस्तार से चर्चा की। जिस पर मरीजों ने अपनी संतुष्टि जाहिर की।

हाई लेवल के इलाज के लिए ही मरीज आए

एसीएस ने कहा कि पीजीआई परिसर काफी बड़ा है, ऐसे में मरीजों को एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग तक जाने में कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता होगा। इसके चलते यहां पर मरीज के हितों को देखते हुए ई रिक्शा का संचालन किया जाए ताकि मरीज को पैदल इधर से उधर ना जाना पड़े। उन्होंने सिविल सर्जन रमेश चंद्र को कहां की छोटी-मोटी बीमारी के मरीज को सिविल अस्पताल में ही इलाज करवाना चाहिए और यहां सिर्फ हाई लेवल के इलाज के लिए ही मरीज को आना चाहिए।

M.R. MEMORIAL
NAVJEEVAN HOSPITAL
A MULTI SPECIALITY HOSPITAL
An ECHS Empanelled Hospital

(मेगा सर्जिकल कैंप)

समय : प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक
दिनांक : 10 फ़रवरी से 28 फ़रवरी तक
स्थान : नवजीवन अस्पताल, नज़दीक कैलाश आश्रम, मॉडल टाऊन (रोहतक)

FREE! OPD

क्या आप इनमें से किसी बीमारी से परेशान है?
- पित्त की थैली में पथरी
- किसी भी प्रकार का हर्निया
- किडनी, पेशाब की नली, पेशाब की थैली में पथरी
- आंत में छेद व आंत में रुकावट
- प्रोस्टेट (गदूद) का बढ़ना या बार-बार पेशाब आना
- अपेंडिक्स में सूजन
- हाइड्रोसील तथा वैरीकोसील
- स्तन या शरीर के किसी भी अंग में रसौली या गांठ
- बवासीर, भगंदर, फिशर, पाईलोनिडल साइनस

इन सभी बिमारियों का ईलाज़ हमारे अनुभवी व विशेषज्ञ सर्जन द्वारा करवायें

कैंप में रजिस्ट्रेशन करवाने पर 20% का अतिरिक्त डिस्काउंट दिया जाएगा

आयुष्मान भारत/ECHS/TPA के तेहत सभी प्रकार के ऑपरेशन फ्री*

Dr. Manish Sharma
Sr. Laparoscopic and Trauma Surgeon
(Director)

Dr. Manish Bansal
(M.S. FAIS, FMAS)
Consultant General, Laparoscopic and Anorectal surgery

रजिस्ट्रेशन नम्बर: 01262-282740/7056414100

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
■ मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफ:	-19.73%
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	-14.02%
■ एबीएसएल स्मॉल कैप फंड:	-13.65%
■ बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंड:	-13.30%
■ फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंड:	-13.06%
■ डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्स:	-12.94%
■ महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड:	-12.89%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-12.73%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.63%
■ आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.59%
■ एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.57%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.56%
■ निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.46%

■ एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.46%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	-11.52%
■ एसबीआई स्मॉल कैप फंड:	-11.42%
■ कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.01%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	-10.86%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	-10.55%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-10.15%
■ कोटक स्मॉल कैप फंड:	-10%
■ यूनियन स्मॉल कैप फंड:	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	35%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	30.64%
■ इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड:	29%
■ टाटा स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एडलवाइस स्मॉल कैप फंड:	27.76%
■ फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27.61%
■ एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंड:	27.58%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27%
■ एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड:	26.76%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	25.67%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	25.35%

(डिस्क्लेमर: किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाइब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

- एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करें, एक लाख रुपये हर माह कई वर्षों तक मिलते रहेंगे
- मोटा रिटर्न हमेशा से ही रिस्क भरा होता रहा है, अब निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क पसंद कर रहे

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपये निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपये निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपये या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपये हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपये आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

कितना मिलता है रिटर्न?

निवेश के लिए काफी लोग अभी भी एफडी को पसंद करते हैं। इसका कारण है कि इसमें 6 से 9 फीसदी तक का फिक्स्ड रिटर्न मिल जाता है। हालांकि यह रिटर्न बैंक पर निर्भर करता है। समय-समय पर बैंक इस ब्याज में बदलाव करते रहते हैं। लेकिन घर बैठे एक लाख रुपये की कमाई एफडी में निवेश करके नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको दूसरी स्कीम में निवेश करना होगा।

कहां करना होगा निवेश

आपको अच्छी कमाई के लिए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना होगा। आपको हर महीने 15 हजार रुपये 20 साल तक किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। 15 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से 20 साल बाद यह रकम बढ़कर 2.27 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसमें 36 लाख रुपये आपके निवेश के और बाकी की रकम ब्याज की होगी।

कैसे मिलेंगे एक लाख हर महीने

20 साल बाद आपको कोई काम करने की जरूरत नहीं है। इन 2.27 करोड़ रुपये में से 27 लाख रुपये आप अपने किसी काम में खर्च कर सकते हैं। बाकी के दो करोड़ रुपये एसडब्ल्यूपी में निवेश कर दें। एसआईपी का मतलब हर महीने रकम जमा करना है तो एसडब्ल्यूपी का मतलब हर महीने रकम निकालना। इसमें भी यह रकम म्यूचुअल फंड में लगानी होती है। अगर कोई म्यूचुअल फंड सालाना 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है तो भी आप 30 साल तक एक लाख रुपये हर महीने निकाल सकेंगे।

बच्चों के बच्चे भी करेंगे कमाई

आपके इस निवेश से आपके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी जिंदगीभर कम से कम एक लाख रुपये हर महीने कमाते रहेंगे। ध्यान रखें कि अगर आप हर महीने एक लाख रुपये से ज्यादा चाहते हैं तो वह भी मिल सकते हैं लेकिन इसमें कई बार आपका फंड यानी 2 करोड़ रुपये जल्दी खत्म हो सकते हैं। एसडब्ल्यूपी में रकम का चुनाव करने के लिए इंटरनेट पर कई कैलकुलेटर मौजूद हैं। आप उनकी भी मदद ले सकते हैं।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है। अगर इस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो बीमा कंपनी द्वारा उसके नॉमिनी को कवरेज के हिसाब से एकमुश्त रकम दी जाती है। यह एक प्योर प्रोटेक्शन प्लान होता है। यानी इसमें किसी तरह का निवेश या सेविंग का पहलू जुड़ा हुआ नहीं होता।

यह किफायती क्यों

टर्म लाइफ इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम प्रीमियम है। कवरेज की तुलना में इसका प्रीमियम इतना कम इसलिए होता है, क्योंकि इसमें केवल 'डेथ कवर' दिया जाता है और प्रीमियम के तौर पर भरे गए पैसों पर कोई रिटर्न या प्रॉफिट नहीं मिलता, लेकिन एंडोमेंट प्लान्स की तुलना में इसकी प्रीमियम की दरें इतनी कम होती हैं, जिससे आपको कम लागत में अधिक बीमा कवर लेने का मौका मिलता है।

कितना कवरेज लें

सही टर्म इंश्योरेंस कवरेज का चुनाव करना बेहद जरूरी है। बीमा कवरेज की रकम इतनी होनी चाहिए कि बीमा कराने वाले के न रहने पर उसके परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। कवरेज की रकम तय करते समय आपको अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों और जरूरतों, मसलन, होम लोन, कार लोन, बच्चों के एजुकेशन और दैनिक खर्चों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई और अन्य संभावित खर्चों को शामिल करना भी जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि टर्म इंश्योरेंस का कवरेज की रकम आपकी सालाना आमदनी के मुकाबले 10-15 गुना होनी चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये है, तो टर्म इंश्योरेंस 1 से 1.5 करोड़ होना जरूरी है।

सही अवधि कैसे चुनें

बीमा कवरेज की अवधि का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखें कि पॉलिसी की अवधि आपकी एक्टिव अर्निंग लाइफ यानी कामकाजी उम्र को जरूर कवर करती हो। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के कवरेज की अवधि इतनी होनी चाहिए कि जब तक आपके आश्रित परिवार को आपके आर्थिक सपोर्ट की जरूरत है, कम से कम तब तक वे सुरक्षित रहें। अगर आपके बच्चे अभी छोटे हैं या आपके पास लंबी अवधि के ऋण हैं, तो आपको लंबी अवधि का टर्म प्लान लेना चाहिए।

राइडर्स और अन्य लाभ चेक करें

इंश्योरेंस प्लान के साथ आने वाले राइडर्स का मतलब है, ऐसे एक्स्ट्रा बेनिफिट यानी अतिरिक्त लाभ, जिन्हें आप अपने टर्म इंश्योरेंस प्लान में जोड़ सकते हैं। इनमें क्रिटिकल इलनेस कवर, एक्सीडेंटल डेथ कवर और प्रीमियम वेवर जैसे बेनिफिट शामिल होते हैं। ये राइडर, अतिरिक्त सुरक्षा तो देने हैं, लेकिन इनके लिए एक्स्ट्रा प्रीमियम भी भरना पड़ सकता है। अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह तय कर सकते हैं कि कौन सा राइडर आपके लिए फायदेमंद है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में प्रीमियम पेमेंट यानी भुगतान के लिए अलग-अलग ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। आप सालाना, छमाही, तिमाही या मंथली आधार पर भी प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी

कुछ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान में रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी जैसे ऑप्शन भी दिए जाते हैं। रिन्यूएबिलिटी का ऑप्शन आपको पॉलिसी पीरियड खत्म होने के बाद बिना किसी नए मेडिकल टेस्ट के इसे आगे बढ़ाने की सुविधा देता है। वहीं, कन्वर्टिबिलिटी का ऑप्शन आपको अपने टर्म प्लान को किसी और तरह के जीवन बीमा प्लान में बदलने की सुविधा देता है। हालांकि, इन ऑप्शन्स के साथ प्रीमियम की रकम बढ़ सकती है, इसलिए इन्हें चुनने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

सेहत और उम्र का असर

आपकी उम्र और स्वास्थ्य आपकी बीमा पॉलिसी की प्रीमियम दरों को सीधे प्रभावित करते हैं। आमतौर पर, जितनी कम उम्र में आप टर्म इंश्योरेंस खरीदते हैं, प्रीमियम उतना ही कम देना पड़ता है। अगर आप पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, तो आपकी प्रीमियम दरें अधिक हो सकती हैं. इसलिए, टर्म इंश्योरेंस को जल्द से जल्द लेना फायदेमंद होता है। पॉलिसी खरीदने से पहले उससे जुड़ी शर्तों और नियमों को अच्छी तरह से पढ़ना और समझना जरूरी है। बीमा पॉलिसी में कुछ एक्सक्लूजन्स भी होते हैं, जिनके तहत बीमा कंपनी क्लेम का भुगतान नहीं करती।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो भी देखें

इंश्योरेंस कवरेज लेने से पहले यह देखना भी जरूरी है कि आप जिस बीमा कंपनी का प्लान लेने की सोच रहे हैं, उसका क्लेम सेटलमेंट रेशियो कितना है। क्लेम सेटलमेंट रेशियो से पता चलता है कि बीमा कंपनी ने अपने पॉलिसीहोल्डर्स के कितने प्रतिशत क्लेम यानी दावों का निपटारा किया गया है। अगर यह रेशियो अधिक है, तो उससे पता चलता है कि बीमा कंपनी अपने ग्राहकों के प्रति जिम्मेदार है और समय पर दावों का भुगतान करती है।

टर्म इंश्योरेंस प्लान को बीच में बंद न करें

कई बार लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस प्लान को पूरी अवधि तक जारी नहीं रखते कि इसके प्रीमियम में भरे जाने वाले पैसों पर कोई रिटर्न मिलना तो दूर, प्रीमियम की रकम भी वापस नहीं मिलेगी, लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है, क्योंकि इंश्योरेंस का मकसद सुरक्षा देना है, रिटर्न देना नहीं। अगर आप एक बराबर कवरेज वाले किसी एंडोमेंट प्लान और टर्म प्लान के प्रीमियम की तुलना करें, और टर्म प्लान में होने वाली प्रीमियम की बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा दें, तो पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान आपको मिलने वाला कुल रिटर्न एंडोमेंट प्लान के मुकाबले बहुत अधिक हो सकता है।

हरित भविष्य के लिए सतत समाधान पर संगोष्ठी आयोजित

शोधकर्ताओं को नवीन दृष्टिकोण अपनाने के लिए किया प्रेरित

संगोष्ठी में 250 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा 350 से अधिक शोध पत्र आए। जिनमें जल संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और पारिस्थितिक संतुलन पर विशेष ध्यान दिया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में हरित भविष्य के लिए सतत समाधान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. कैलाश चंद्र पुरोहित ने किया। उन्होंने पर्यावरणीय चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए सतत विकास के लिए व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. एमएल मीना ने सतत समाधान और हरित भविष्य की दिशा में नवीन शोध और रणनीतियों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास पर जोर देते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में नवीन दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। गेस्ट ऑफ ऑनर, डॉ. विनीता हुड्डा ने बताया कि जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के लिए शिक्षाविदों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दर्शना ने कहा कि ऐसे आयोजनों से शोध और अकादमिक क्षेत्र को नई दिशा मिलती है। संगोष्ठी में 250 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा 350 से अधिक शोध पत्र आए। जिनमें जल संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और पारिस्थितिक संतुलन पर विशेष ध्यान दिया गया। शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने स्थिरता के नवीनतम रुझानों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। सेमिनार की संयोजक डॉ. वीणा सचदेवा और समन्वयक डॉ. फूल कुमार ने कहा कि यह संगोष्ठी सतत विकास और पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में इस तरह के आयोजन निरंतर होते रहेंगे। विभिन्न कंपनियों द्वारा अपनाई गई स्थिरता रणनीतियों पर सेमिनार में डॉ. वीना सचदेवा द्वारा फिल्म के रूप में प्रस्तुति को दर्शकों ने सराहा।टिकाऊ समाधान अपनाने के पहलुओं को दर्शाया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

भूगोल पर दो पुस्तकों का विमोचन किया

संगोष्ठी के दौरान डॉ. फूल कुमार, डॉ. अंजू और डॉ. ज्योति द्वारा लिखित भूगोल पर दो पुस्तकों का भी विमोचन किया गया, जो इस क्षेत्र में शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान हैं। इस आयोजन ने सभी प्रतिभागियों को पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए नए दृष्टिकोण और समाधान विकसित करने की प्रेरणा दी। प्रोफेसर अजमेर सिंह काजल (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय) ने सतत विकास पर विचार-विमर्श किया तथा प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. सुशीला, डॉ. प्रदीप कुमार दुहन, डॉ. सत्यवान जाटान, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. मीनाक्षी सहारण, डॉ. एकता सहित अन्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

कर्मवीर मायना की माता के निधन पर जताया शोक

रोहतक। केवीएम शिक्षण संस्थान एवं जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक कर्मवीर मायना की माता दिलभरी देवी का दाह संस्कार गांव मायना के शमशान घाट में किया। जिसमें गांव व शहर के गणमान्य लोगों ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व मंत्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, हरियाणा के पूर्व मंत्री सुभाष बत्रा, पूर्व मंत्री कृष्णमूर्ति हुड्डा ने शोक जताया। विभिन्न स्कूल एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी मायना हाऊस सनसिटी पहुंच कर शोक जताया।

वैश्य स्कूल की जूनियर विंग में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

रोहतक। वैश्य पब्लिक स्कूल जूनियर विंग सेक्टर 3 में दसवीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता व शैक्षणिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि अजय बंसल कोषाध्यक्ष बीजेपी ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। प्राचार्या शीतल जैन ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर वैश्य संस्था के पदाधिकारी दीपक जिंदल, राजेंदर बंसल, डॉ. चन्द्र गर्ग, ईश्वर चंद गुप्ता, नितिन तायल, राजीव बेरीवाल, शंकर गर्ग आदि मौजूद रहे।

उपकार हाई स्कूल में स्पोर्ट्स मीट का आयोजन, विजेता किए सम्मानित

रोहतक। उपकार हाई स्कूल में स्पोर्ट्स मीट का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ सीडीएलयू यूनिवर्सिटी के उप कुलपति, रिटायर्ड प्रोफेसर और स्कूल के डायरेक्टर डॉ. विजय कायत, आईसी कॉलेज से रिटायर्ड प्रोफेसर निर्मला कायत,था रिटायर्ड बैंक मैनेजर जयवंत ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर वैभव कायत ने किया। प्री नर्सरी, नर्सरी तथा केजी के बच्चों ने फ्रंट ड्रेस तथा दूसरी, तीसरी, चौथी कक्षा के विद्यार्थियों ने नींबू चम्मच दौड़, 3 लेग रेस, बैक रेस में भाग लिया। पांचवी, छठी व सातवीं, आठवीं के विद्यार्थियों ने लॉन्ग जंप, स्लो साइकिल रेस में भाग लिया तथा नौवीं, दसवीं के विद्यार्थियों ने रस्साकशी प्रतियोगिता तथा कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया। निर्मला कायत में प्रतिभागियों को बधाई दी तथा कहा कि प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

दो दिवसीय होम लोन एक्सपो संपन्न

रोहतक। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 7 व 8 फरवरी को दो दिवसीय होम लोन एक्सपो बैंक की सेक्टर-1 रोहतक शाखा में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि समाजसेवी नवीन जैन रहे। कार्यक्रम के दौरान बैंक मंडल प्रमुख रोहतक महेश वाधवा ने उनका स्वागत किया एवं बैंक द्वारा आयोजित किए जा रहे इन एक्सपो कार्यक्रमों की महता को बताते हुए उनसे बैंक व्यवसाय में सहयोग करने का आग्रह किया। बैंक के प्रधान कार्यालय की ओर से उपस्थित सहायक महाप्रबंधक अरविंद यादव ने बताया कि बैंक ये दो दिवसीय आयोजन पूरे देश में कर रहा है और 13 फरवरी को इसी तर्ज पर एक्सपो का आयोजन भी किया जाएगा। मेले में बैंक स्टाफ द्वारा ग्राहकों को बैंक की कम ब्याज व बिना अतिरिक्त खर्च पर दिए जा रहे रिटेल ऋण संबंधी जानकारी देते हुए ऋण लेने के लिए जरूरी दस्तावेजों के बारे में भी बताया तथा विभिन्न ग्राहकों को लगभग 4 करोड़ की ऋण स्वीकृति भी प्रदान की गई। बैंक द्वारा इस मौके पर मकान ऋण, कार ऋण, शिक्षा ऋण, सुर्य घर योजना, डिजिटल बैंकिंग योजनाओं संबंधी स्टाल्स लगाए गए। इस मौके पर बैंक अंचल कार्यालय से मुख्य प्रबंधक योगेश, मंडल कार्यालय से सहायक महा प्रबंधक अरविन्द कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित सिंह, मुख्य प्रबंधक मनीष सिन्हा आदि मौजूद रहे।

एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में पीटीएम

रोहतक। सनसिटी सेक्टर-35 स्थित एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में शनिवार को पैरेंट्स टीचर्स मीटिंग हुई। इस बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने हिस्सा लिया और कक्षा तथा विषय अध्यापकों से मिलकर बच्चों की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जानकारी ली। अभिभावकों ने जनवरी परीक्षा परिणाम पर चर्चा की और शैक्षणिक विकास के बारे में अपने विचार साझा किए। डायरेक्टर सुरेंद्र फौगाट ने कहा कि पीटीएम अभिभावक और शिक्षक को एक साथ लाकर बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए रणनीति बनाने में मददगार होती है। प्रिंसिपल जगवंती कादयान ने अभिभावकों से बच्चों के लिए समय निकालने का आग्रह किया ताकि उनके सर्वांगीण विकास में मदद हो सके। इस अवसर पर डायरेक्टर सुरेंद्र फौगाट, प्रिंसिपल जगवंती कादयान, कार्डिनेटर प्रगति, अध्यापक एवं अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की प्रक्रिया भी

रोहतक। गोहाना रोड स्थित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विदाई एवं शुभकामना समारोह का आयोजन किया गया। 12वीं के विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। विद्यालय प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम ही नहीं, बल्कि एक चरित्र निर्माण की प्रक्रिया भी है। कक्षा 11वीं के छात्रों ने सुखद स्मृतियों को साझा किया। विद्यालय की ओर से कक्षा 12वीं के छात्रों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ आदित्य बत्रा, उपाध्यक्ष उद्योपति करण विग, प्रबंधक रामचरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एसके गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य बीना कौशिक ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विवि के विधि विभाग द्वारा कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एचएल वर्मा के मार्गदर्शन में सुरक्षित इंटरनेट विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा ताकि आमजन और विद्यार्थी इंटरनेट का उपयोग सुरक्षित तरीके कर सकें। इस कार्यक्रम में सीजेएम एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तरन्नुम खान मुख्य अतिथि रही। तरन्नुम खान ने कहा कि हमें इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति गंभीरता बरतने की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एचएल वर्मा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, लेकिन इसके साथ-साथ साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में हमें इंटरनेट का सुरक्षित और सतर्क उपयोग करना चाहिए।

वरुण मिस्टर व पूजा बनीं मिस फेयरवेल, 12वीं के छात्रों को दी विदाई

रोहतक। वेद मॉडल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 11वीं के छात्र-छात्राओं ने अपने सीनियर की विदाई दी। बच्चों ने ग्रुप डांस, सिंगिंग, म्यूजिकल गेम्स, रैंप वॉक आदि की मनमोहक प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रही। 12वीं के छात्र वरुण मिस्टर फेयरवेल व पूजा को मिस फेयरवेल के रूप में चुना गया। स्कूल चेयरमैन वेदप्रकाश जांगड़ा ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

फेयरवेल पार्टी में विद्यार्थियों ने नृत्य और संगीत से बांधा समा

रोहतक। वीएन मैमोरियल पब्लिक स्कूल में ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा की फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के नृत्य एवं संगीत द्वारा सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर डायरेक्टर प्रधानाचार्य एवं समस्त स्कूल उपस्थित रहा। प्रधानाचार्य ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। करीना को मिस फेयरवेल तथा भूपेश मिस्टर फेयरवेल के खिताब से नवाजे गए।

श्री गणेशाय नमः
श्री बालाजी ज्योतिष केन्द्र
म.नं. 232, सैक्टर 14, हिसार
मो. 8571024131, 8708655938
प्यार मोहब्बत, किया/कराया, जादु-टोना, गुप्त दुश्मन, सौतन, नजर दोष, विदेश यात्रा, सास बहु/पति पत्नी में अनबन कारोबार में बरकत ना होना, पशुधन बर्बाद होना, धन की बर्बादी, पढाई में मन न लगना, विवाह में देरी, नौकरी में प्रमोशन
समस्या कैसी भी हो, जड़ से होगी खात्म जब कभी भी ना बना हो काम तो होगा गारन्टिड समाधान
पं. तुषार शर्मा
गोल्ड मेडलिस्ट
हर रोज मिलें सुबह 10 बजे से सायं 6 बजे तक

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
बम्पर इनामी योजना-2025
नाम.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.....
पता.....तहसील .....पिन.....
जिला ..... फोन नं. ..... एजेंट का नाम .....
सामान्य कूपन
मास्टर कूपन
नियम व शर्तें
हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 - 5 फरवरी 2025 से 5 अगस्त 2025 की अवधि के लिए है। ▶▶| बम्पर ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ▶▶| योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित प्रपत्र पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 24 कूपनों में से कुल 18 कूपन (12 सामान्य एवं 6 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ▶▶| हर माह के दो सामान्य कूपन चिपकाना अनिवार्य है। ▶▶| फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन फार्मेट में मान्य नहीं होगे। ▶▶| राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ▶▶| हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ▶▶| यदि किसी पुरस्कार पर टी. डी. एस. की कटौती लागू होगी तो विजेता को टी.डी.एस. का भुगतान स्वंय करना होगा। ▶▶| वाहनों के एक्स शोरूम की कीमत को हरिभूमि द्वारा वहन किया जायेगा और अन्य खर्च विजेता को देने होंगे। ▶▶| हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ▶▶|किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रोहतक होगा। ▶▶| चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ▶▶| हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। ▶▶| प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2025 होगी। ▶▶| पूर्णरूप से भरा हुआ मूल प्रपत्र अपने नजदीक के हरिभूमि कार्यालय या मुख्य कार्यालय में स्वंय अथवा साधारण डाक द्वारा भिजवाएं। ▶▶| किसी भी कूपन और प्रपत्र की फोटोप्रति मान्य नहीं होगी। ▶▶| अंतिम तिथि के बाद प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। विजेताओं का चयन ड्रॉ द्वारा किया जायेगा। ▶▶| ड्रॉ निकालने की तिथि 5 अक्टूबर 2025 होगी। ▶▶| विजेताओं की सूची 10 नवम्बर से समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी। ▶▶| प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय रोहतक से पुरस्कार प्राप्त करना होगा। अन्य सभी विजेता हरिभूमि के उनके नजदीकी कार्यालय से पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगे। ▶▶| सभी विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी फोटो पहचान पत्र की फोटो प्रति हरिभूमि कार्यालय में जमा करनी होगी। अपने साथ पहचान पत्र की मूल प्रति लाना न भूलें।
हरिभूमि कार्यालय , नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
फोन : 9253681019-20, 9253681010, 9253681005

नागरिक बहकावे में आकर अनाधिकृत कॉलोनियों में प्लॉटों की न करें खरीद-फरोख्त : उपायुक्त

- सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार अधिकारी अवैध कॉलोनियों में न दें जन सुविधाएं
- जिला की सीमा में अनाधिकृत कॉलोनियों, निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई के दिए गए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

धीरेंद्र खड़गटा (उपायुक्त)

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने जिला के नागरिकों का आह्वान किया है कि वे अनाधिकृत कॉलोनियों में कॉलोनाइजरों के बहकावे में आकर प्लॉटों की खरीद-फरोख्त न करें, ताकि भविष्य में उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो। यदि जिला प्रशासन की अपील के बाद भी आमजन अनाधिकृत निर्माण करता है तो इसके लिए वे स्वयं जिम्मेवार होंगे। धीरेंद्र खड़गटा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी निर्देश जारी किए हैं कि वे सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना करते हुए अनाधिकृत कॉलोनियों में किसी प्रकार की जन सुविधाएं न प्रदान करें। यदि किसी विभाग द्वारा जिला की सीमा में अवैध रूप से विकसित हो रही कॉलोनियों में कोई भी जन सुविधा उपलब्ध करवाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्घ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने सैक्टर 7/37 रोड, न्यू नार्दन बाईपास रोड, सैक्टर डिवाईडिंग रोड़, शिड्यूल्ड रोड, दिल्ली बाईपास से रुपया चौंक व रुपया चौंक से सुनारियां चौक पर ग्रीन बैल्ट में किए गए अनाधिकृत रोड का निर्माण, अनाधिकृत पार्क का निर्माण को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के मौजूदा अधिकारियों को जल्द से जल्द उक्त अवैध अतिक्रमण, निर्माणों को गिराकर व अनाधिकृत कालोनियों में ग्रीन बैल्ट पर रास्ते को हटाने के निर्देश दिए हैं। अनाधिकृत कालोनियों में अवैध तरीके से लिए गये बिजली के कनेक्शन एंवम बिजली के खम्बों को उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के मौजूदा अधिकारियों को जल्द से जल्द हटाने के निर्देश दिए हैं। सभी अनाधिकृत कालोनियों में अवैध खनन के द्वारा मिट्टी भरत द्वारा अनाधिकृत कालोनियों का रुप दिया जा रहा है। जिला खनन अधिकारी को अवैध खनन न होने बारे निर्देश जारी किए गए हैं। सभी अनाधिकृत कालोनियों में जिला नगर योजनाकार टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग विभाग, रोहतक व नगर निगम रोहतक द्वारा दर्ज करवाई गई एफआईआर पर अवैध कालोनाईजरों के खिलाफ पुलिस विभाग के मौजूदा अधिकारी को जल्द से जल्द कार्यवाही के निर्देश दिए। सभी अनाधिकृत कालोनियों में तहसीलदार रोहतक को रजिस्ट्री ना करने बारे निर्देश दिए हैं। सभी अनाधिकृत कालोनियों में जिला नगर योजनाकार टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग विभाग व नगर निगम रोहतक को जल्द से जल्द एक संयुक्त मुहिम चलाकर अनाधिकृत कालोनियों व निर्माणों को तोड़ने के निर्देश दिए। इन अवैध कालोनियों में अवैध निर्माण न होने देना तथा स्थल को खाली करवाकर रिस्टोरेशन के आदेश पारित किये गए हैं।

मजिस्ट्रेट नियुक्त

शहरी क्षेत्र में अनाधिकृत कॉलोनियों से अवैध कब्जे हटाने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के संपदा अधिकारी मुकुंद तंवर को डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों के तहत पुलिस अधीक्षक द्वारा डयूटी मजिस्ट्रेट के साथ महिला पुलिस सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा पुलिस बल के प्रभारी निरंतर डयूटी मजिस्ट्रेट के संपर्क में रहेंगे।

अनाधिकृत कॉलोनियों एवं ढांचों को गिराया गया

- सुच्चा सिंह कॉलोनी एवं शिवम कॉलोनी में की गई कार्रवाई
- जिला नगर योजनाकार कार्यालय एवं नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया तोड़फोड़ अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला नगर योजनाकार कार्यालय एवं नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से नियन्त्रित एवं शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित की जा रही कालोनियों व ढांचों को गिराने का अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त प्रशिक्षु अभिनव सिवाच एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इस अभियान में आऊटर बाईपास के साथ अवैध रूप से विकसित की जा रही सुच्चा सिंह कॉलोनी, शिवम कॉलोनी एवं अनाधिकृत ढांचों को गिराया गया। जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने जन साधारण से अपील की है कि वे अपने जीवन की पूंजी अवैध निर्माणों में या डीलर व भू-मालिकों के द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनियों में निवेश न करें क्योकि इस तरह की विभागीय कार्यवाही समय-समय पर प्रशासन द्वारा अमल में लाई जायेगी। उन्होंने कहा है कि नागरिक अपनी पूंजी को निवेश करने से पहले उनके कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में आकर पूछताछ कर सकते हैं।

दिल्ली से भ्रष्ट सरकार हुई बाहर : पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर

दिल्ली में भाजपा की जीत से रोहतक के कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

पूर्व मंत्री ग्रोवर को ग्रेटर कैलाश विधानसभा का प्रवासी प्रभारी बनाया गया था, करीब डेढ़ माह विस में किया काम

- ट्रिपल इंजन की सरकार बनने के बाद विकास की रफ्तार होगी तेज
- 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर रोहतक के कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। शनिवार को कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय सहित कई जगह मिठाई बांटी और आतिशबाजी भी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को बधाई दी। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा है कि दिल्ली की जागरूक जनता ने 10 साल से सत्ता में बैठी भ्रष्ट और घमंडी सरकार को सत्ता से बेदखल करके डबल इंजन की सरकार बनाने का ऐतिहासिक काम किया है। यह जीत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक फैसलों और जन कल्याणकारी नीतियों का परिणाम है। इस जीत में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, समेत तमाम बड़े नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं की मेहनत भी शामिल है।

पूर्व मंत्री ग्रोवर को ग्रेटर कैलाश विधानसभा का प्रवासी प्रभारी बनाया गया था, जो कि यह सीट बीजेपी की झोली में गई है। यहां से भाजपा प्रत्याशी शिखा राय ने जीत हासिल की है। करीब डेढ़ माह से इस विधानसभा में डेरा डाले हुए पूर्व मंत्री ग्रोवर ने वापिस रोहतक लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 27 साल बाद दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड जीत दर्ज करके शानदार वापसी की है। इस जीत ने आम आदमी पार्टी की भ्रष्ट और नाकारा सरकार को आईना दिखाने का काम किया है। अब देश की राजधानी दिल्ली में डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से विकास के नए रास्ते खुलेंगे। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की जनता से जो भी वादे किए हैं, उन्हें पूरा करने का काम किया जाएगा। रोहतक से भी हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने इस चुनाव में बढ़ चढ़कर काम किया। पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि हरियाणा में होने वाले नगर निकायों के चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी की जीत होगी। ट्रिपल इंजन की सरकार बनने के बाद विकास की रफ्तार तेज होगी।

सांपला में की आतिशबाजी

सांपला। जीत का जश्न मनाते बीजेपी कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की खुशी में जश्न मनाया गया। भाजपा कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष कपिल खत्री की अध्यक्षता में मैन बाजार चौराहे पर इकट्ठे हुए। इसके बाद आतिशबाजी की गई और मिठाइयां बाटकर कार्यकर्ता ने एक दूसरे को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल जैसे भ्रष्ट चेहरे को हटाने का काम किया है। वह शराब घोटाले सहित कई घोटाला में संलिप्त रहे। जनता ने भाजपा को चुनकर विकास का समर्थन किया यह कार्यकर्ताओं की मेहनत और प्रधानमंत्री मोदी के कौशल नेतृत्व की जीत है। खरावड़ में जिला उपाध्यक्ष उदयभान मलिक के नेतृत्व में जीत की खुशी मनाई गई। भाजपा युवा नेता संचित नांदल ने भी कार्यकर्ताओं के साथ मिठाइयां बाटकर जीत का जश्न मना है उन्होंने भाजपा के समर्थन में जमकर नारेबाजी भी की । इस दौरान कार्यकर्ता में खासा जोर देखने को मिला। जश्न में नगर पालिका चेयरपर्सन के पति बिजेंद्र नंबरदार, प्रेमदत्त कौशिक दत्तोड़ , राज सिंह स्वामी श्री विद्या स्वरूप, चांदराम, देवराज आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रोहतक में मेयर पद के लिए 21 और पार्षदों के लिए 151 आवेदन हुए प्राप्त : पूनिया

रोहतक। जिला कोर कमेटी की बैठक लेते भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं रोहतक नगर निकाय चुनाव प्रभारी सुरेंद्र पूनिया।

- प्रदेश चुनाव समिति टिकटों पर लेगी निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं रोहतक नगर निकाय चुनाव प्रभारी सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कमल के फूल के लिए काम करते हैं, कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के आशीवार्द से ट्रिपल इंजन की सरकार हरियाणा में बनेगी। उन्होंने दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत पर दिल्ली की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को विजयी बनाकर सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है।

रोहतक जिला कोर कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि 2 मार्च को नगर निकाय चुनाव होने हैं। रोहतक में भी नगर निगम के चुनाव हैं। उन्होंने कहा कि आज मेयर और पार्षदों के नामों का पैनल तैयार किया गया है। मेयर पद के लिए 21 लोगों के आवेदन आए हैं। 22 वार्डों के लिए 151 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के नामों के पैनल को प्रदेश कोर कमेटी के पास भेजा जाएगा। रविवार को सायं प्रदेश कोर कमेटी की बैठक है जिसमें प्रदेश चुनाव समिति टिकटों का निर्णय लेगी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल प्रदेश सचिव रेनू डाबला जिला प्रभारी सतेंद्र परमार जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका, प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक डॉ दिनेश घिलोड़, प्रतिभा सुमन,पूर्व मंत्री कृष्ण मूर्ति हूडा, मंजू हूडा, नागेंद्र शर्मा, एडवोकेट राजबाला जिला महामंत्री सुखबीर चंदेलिया व आशा शर्मा सहित सभी जिला कोर कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

पठानिया स्कूल में बारहवीं के विद्यार्थियों को दी विदाई

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के विद्यालय में आगमन पर कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने तिलक व बैज लगाकर उनका स्वागत किया। हवन से समारोह का शुभारंभ कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सभी विद्यार्थियों के लिए रैंप वॉक तथा टैलेंट राऊंड रखे गए, जिसमें बच्चों ने गायन-वादन, नृत्य, कविता प्रस्तुति, भाषण आदि से समां बांधा तथा हैड ब्वाय रौनक नरवाल ने अपने अध्यापकों व सहपाठियों की इतने वर्षों की मीठी-मीठी यादें समेटते हुए भावनाएं व्यक्त की। टैलेंट राऊंड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों में रौनक नरवाल को डिक्टिरियस ड्यूड, नैंसी को डिक्टिरियस दिवा, मुकुल को वैल ग्रूमड, तन्नु को बेस्ट एटायर, रक्षित व हनिका को रेडियेंट स्माइल, चैतन्या को अड्राइड पर्सनेलिटी, सुहानी को अड्राइड आइडेंटिटी के खिताब से नवाजा गया। दिव्या व योगेश ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। कक्षा बारहवीं से प्रियांशी, लक्षिता व कक्षा ग्यारहवीं से भूमि, दीपशिखा, छवि व गुनिका ने रेशमा मल्होत्रा, लता क्वात्रा व रानी मलिक के दिशा निर्देशन में मंच का संचालन किया। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, प्रधानाचार्या वर्षा पठानिया, तन्वी पठानिया व उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांड़ा ने बच्चों को बताया कि यह आपके जीवन की नई शुरुआत है। इस दौरान कोर्डिनेटर आलोक रानी, एक्टीविटी कोर्डिनेटर नीतू सेठी सहित अन्य उपस्थित रहे।

खेल महोत्सव में विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

रोहतक। दा आर्यन ग्लोबल विद्यालय में खेल महोत्सव आर्यन एंथुजयिा धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में कर्नल सतीश कुमार मुख्य अतिथि तथा भूपेंद्र मलिक विशेष अतिथि रहे। सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों ने अपने विद्यालय की आन बान शान बनाए रखने की शपथ ली। विद्यालय के छात्र परिषद के सदस्यों द्वारा मशाल जलाई गई तथा एनसीसी कैडेट की अगुवाई में मार्च पास्ट द्वारा मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को सलामी दी गई। हरियाणवी व गुजराती नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों को उनके विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया। बारहवीं कक्षा से रोनित को सर्वश्रेष्ठ एथलीट के खिताब से नवाजा गया। वार्षिक उपलब्धियों में अधिकतम अंकों के साथ डोगराई हाऊस प्रथम स्थान पर रहा। सुनीता अहलावत व प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों को बधाई दी।

मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया

रोहतक। जनकल्याण और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी चौ. रामस्नेही मेमोरियल ट्रस्ट ने गत दिवस गांव खिड़वाली के राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक में परिताषिक वितरण समारोह का आयोजन किया। समारोह में ट्रस्ट के सचिव श्रीकृष्ण हुड्डा द्वारा 36 मेधावी विद्यार्थियों तथा समाजसेवी जागे राम को सम्मानित किया गया। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। सके अलावा पहली से 11वीं वाले बच्चों को स्टेशनरी देकर सम्मानित किया गया। कृष्ण हुड्डा ने बताया कि चौ. रामस्नेही मेमोरियल ट्रस्ट लगातार 21 वर्षों से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर रहा है। यह ट्रस्ट मेधावी बेटियों की शिक्षा को लेकर सराहनीय कार्य कर रहा है। इस अवसर पर जागेराम, रामकुमार, महेंद्र, रमेश, राजपाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

हर्षोल्लास से मनाया एसआरएस स्कूल का वार्षिकोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

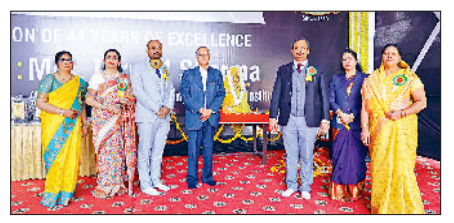

एसआरएस पब्लिक स्कूल में 44वां वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि निर्मल भूषण शर्मा द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई तथा स्वागत गीत के माध्यम से मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अनेकता में एकता का प्रदर्शन करते हुए गरबा, हरियाणवी, पंजाबी एवं राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से मोबाइल फोन के हमारे जीवन पर दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। एकलव्य एवं गुरु द्रोणाचार्य पर आधारित प्रस्तुति ने गुरु शिष्य परंपरा को प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने नृत्य के माध्यम से देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय में समय-समय पर कराई गई खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय की प्राचार्य सुनीता शर्मा द्वारा वर्ष 2024-25 में विद्यालय की प्राप्त उपलब्धियों पर वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। विद्यालय के निदेशक राहुल शर्मा ने सभी अध्यापकों, अभिभावकों व विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सुमित शर्मा, डिप्टी सीएमओ केएल मलिक, सतीश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

चयन प्रक्रिया का आयोजन किया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की एनएसएस सेल द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी तथा सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक (पुरुष एवं महिला श्रेणी) चयन प्रक्रिया का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में चयन समिति के सदस्य के रूप में डॉ. श्रवण कटारिया (रीजनल डायरेक्टर, नई दिल्ली - वर्चुअल मोड), डॉ. दिनेश कुमार (स्टेट एनएसएस ऑफिसर, पंचकूला), प्रो. सविता राठी (एनएसएस कोऑर्डिनेटर, एमडीयू रोहतक), डॉ. दलबीर हुड्डा (प्रिंसिपल, गवर्नमेंट नेहरू कॉलेज, झज्जर) एवं डॉ. मंजुला (प्रिंसिपल, जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत) ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में हुई पीटीएम

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कक्षा दसवीं और बारहवीं की प्रीबोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। बैठक का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर चर्चा करना और आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए उनकी तैयारी को सुदृढ़ करना रहा। अध्यापकों द्वारा अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम की समीक्षा की गई। विद्यार्थियों को उनकी कमियों से अवगत कराते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया गया। छात्रों को समय प्रबंधन, आत्मविश्वास और मानसिक तनाव को कम करने के सुझाव दिए गए। साथ-साथ अभिभावकों को बच्चों की प्रगति और तैयारी के स्तर की जानकारी दी गई। इतना ही नहीं विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए एक अध्ययन योजना बनाने का परामर्श दिया गया। प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने प्री बोर्ड परीक्षाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह परीक्षा छात्रों को बोर्ड परीक्षा का अनुभव देती है और उनकी तैयारी का आंकलन करने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि अभिभावक और शिक्षकों के आपसी सहयोग के माध्यम से छात्रों को उनकी क्षमता का पूर्ण उपयोग करने में मदद मिलती है। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए और मेहनत करते हुए अपने सपनों को साकार करने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्या मशेंका, हर्ष, सुमित, वीरेंद्र, रेखा, रुचि, रेशमा, संगीता, सुमन, किरण आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

कक्षा चौथी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने मॉडल किए प्रदर्शित

इंडस पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन अभिभावकों द्वारा किया गया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा चौथी से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपने मॉडल बनाकर उन्हें प्रदर्शित कर उनके बारे में अभिभावकों को विस्तृत जानकारी दी। इनमें सौर मंडल, सौर ऊर्जा, पर्यावरण सुरक्षा, पानी की बचत, रंगीन परछाई, ह्यूमन आई, इनविजिबल इंक, प्लांट सेल, बैंक सुरक्षा आदि अलग-अलग विषयों को प्रदर्शित किया गया। इस वार्षिक आयोजन में अभिभावकों ने विद्यार्थियों के बनाए मॉडल व उनकी प्रतिभा की सराहना की। प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों के प्रायोगिक कौशल को बढ़ावा देने के साथ ही उनको प्रतिस्पर्धा का मौका देना व वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझने में मदद करना रहा। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने विद्यार्थियों के बनाए मॉडल और उनकी प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज इनोवेशन का जमाना है, नवाचार को हर क्षेत्र में बढ़ावा मिल रहा है और इससे अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे है। विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने विद्यार्थियों को हमेशा रचनात्मक सोच रखने की सलाह दी, उन्होंने कहा कि विद्यार्थी हमेशा कुछ नया करने की सोचें और इसी में अपनी उर्जा को लगाएं। अभिभावकों ने विज्ञान प्रदर्शनी में प्रदर्शित मॉडल की जानकारी में रूचि दिखाई तथा छात्रों की मेहनत व लगन की सराहना की।

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूपः इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरसः कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्टय का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेमः कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधनः प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौरः प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंटः एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएंः जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकतः बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉनेः रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

व्लादिमीर नबोको-वेराः व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था। हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़स हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिस की सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'* (तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिकाः डॉ. रचना तिवारी, मूल्यः199 रु, प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

प्रेम अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। डिजिटल प्रेम के नए स्वरूप से एक ओर जहां प्रेमियों को आपस में संपर्क बनाए रखना आसान हो गया है, वहीं प्रेम संबंधों ने जाति, धर्म और देश की सीमाओं को भी पार कर दिया है। डिजिटलाइजेशन ने प्रेम के स्वरूप को कैसे बदल दिया, इससे ग्रामीण भारत के युवाओं में क्या बदलाव आए हैं, यह जानना दिलचस्प है।

हर कहीं लिखी जा रही हैं डिजिटल प्रेम की दास्तानें

पिछली सदी के 90 के दशक के मध्य में आया मोबाइल और इस 21वीं सदी में हुई डाटा क्रांति ने गांव और शहर के बीच की दूरियां बहुत हद तक मिटा दी हैं। सोशल मीडिया ने एक झटके में 90 से 95 फीसदी तक दोनों के बीच गैप को पाट दिया है। आज जिस तरह शहर की युवा पीढ़ी मोबाइल से चिपकी रहती है, उसी तरह से गांवों की युवा पीढ़ी को भी मोबाइल का रोग लग चुका है। गांव और शहर की जीवनशैली में पहले इतनी ज्यादा समानता कभी नहीं थी, जब तक मोबाइल क्रांति नहीं हुई थी और सोशल मीडिया के तूफान ने हमारे खान-पान और पहनने से लेकर सोचने-समझने तक की दुनिया में इतना हस्तक्षेप नहीं किया था। आज कोई ऐसा फैशन नहीं है, जो मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए शहरों के साथ-साथ गांव न पहुंचता हो। नई-नई आदतें, नई-नई भाषाई अभिव्यक्तियां और जाहिर है, नए-नए इमोशन भी अब गांवों और शहरों के युवाओं के बीच एक से हो गए हैं।

हर कहीं वैलेंटाइन का उत्साह

यह अकारण नहीं है कि आज के दौर में महानगरों से ज्यादा वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर उत्साह, ग्रामीण युवाओं में देखा जाता है। सोशल मीडिया ने सबसे ज्यादा गांवों की नई पीढ़ी को ही प्रभावित किया है और जाहिर है, यह प्रभाव उन मामलों में सबसे ज्यादा पड़ा है, जिनमें एक जमाने तक गांवों और शहरों में स्पष्ट दूरियां थीं यानी प्रेम और शादियां। मोबाइल क्रांति और सोशल मीडिया के उभार के बाद ग्रामीण समाज विशेषकर प्रेम और शादियों को लेकर एक नए तरह के बदलाव से गुजर रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल ने गांवों में विशेष तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच सबसे ज्यादा सांस्कृतिक तनाव पैदा कर दिया है। इसलिए देखने वाली बात यह है कि वैलेंटाइन-डे जैसे मौके और इन मौकों से जुड़ी भावनाओं ने आखिर ग्रामीण समाज में किस तरह की उथल-पुथल मचा दी है।

प्रेम-विवाह से आए नए तनाव

80 के दशक तक हिंदुस्तान में जहां इंडिया और भारत जैसे एक दूसरे से काफी दूर-दूर दो पहचानें, साथ-साथ अस्तित्व में थीं, इंटरनेट और मोबाइल के बाद भारत और इंडिया के बीच निःसंदेह एक झटके में दूरियां घटी हैं, लेकिन इन दूरियों के घटने का नतीजा भारी तनाव के रूप में सामने आया है। भारत के गांव जो कभी पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामुदायिक नियंत्रण से संचालित होते थे, अब मोबाइल तकनीक के चलते वैयक्तिक निर्णयों के दौर से गुजर रहे हैं। मोबाइल फोन ने पहली बार ग्रामीण युवाओं को ही नहीं महिलाओं को भी जबर्दस्त स्वतंत्रता दी है और उनकी यह आजादी बहुत सारे फैसलों में साफ-साफ दिखती है। लेकिन सबसे बड़ा तनाव जिस एक वजह से पैदा हुआ है, वह मोबाइल के चलते युवाओं को हासिल हुई प्रेम करने की सुविधा और ग्रामीण समाज में उस प्रेम को विवाह के रूप में परिवर्तित होने में पैदा की जा रही बाधाओं ने बहुत भारी तनाव पैदा कर दिया है। ऐसी खबरें कम ही आती हैं कि मोबाइल क्रांति के बाद गांवों में युवाओं के बीच प्रेम और प्रेम विवाह किस तरह से लड़ाई-झगड़े यहां तक कि मारपीट और रंजिश का बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। हाल के सालों में गांवों में 40 फीसदी से ज्यादा युवा साफ-साफ अपने मन की शादी करने और प्रेम करने की आजादी का इजहार कर चुके हैं और उनकी दो-तीन पीढ़ियों के पहले वाले मां-बाप इस सबको स्वीकार करने के जबर्दस्त तनाव में है, जिससे नए तरह के अपराध घटित हो रहे हैं।

खुलने लगे इंटरनेशनल अफेयर के दरवाजे

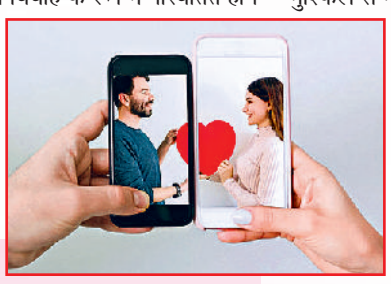

आज शहरी और ग्रामीण प्रेम में बहुत फर्क नहीं रह गया है, क्योंकि दोनो ही जगह 90 फीसदी प्रेम, मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए हो रहा है। इसलिए उनके नतीजे एक जैसे हैं। जिस तरह आज शहर डिजिटल प्रेम में कसमसा रहे हैं, उसी तरह से गांवों में भी डिजिटल प्रेम पारंपरिक मासूमियत को टाटा कर रहा है। एक जमाना था, जब गांवों में प्रेम-प्रसंग के लिए बहुत मुश्किल से मौके मिलते थे। क्योंकि पूरा का पूरा ग्रामीण समाज ही एक तरह से प्रेम के विरोध में निगरानी पर डटा रहता था। लेकिन अब मोबाइल फोन, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने गांवों के युवाओं को भी न सिर्फ प्रेम के इजहार की खुली दुनिया मुहैया कराई है बल्कि अब गांव के युवा भी शहरी लड़कियों से ही नहीं बल्कि सुदूर देशों की लड़कियों से भी इश्क लड़ा रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार के गांवों में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आकर लड़कियों ने जिस तरह से शादियां की हैं और भारत तथा पाकिस्तान के बीच सब तरह की राजनीतिक रस्साकशी के बाद जिस तरह से दोनों ही देशों में एक-दूसरे के यहां से लड़कियां बगावत करके शादी के लिए पहुंच रही हैं, उससे मानना ही पड़ेगा कि डिजिटल युग के इस प्रेम में किसी तरह की निगरानी कामयाब नहीं हो रही है। *

हर कहीं होती है चैटिंग-स्नैपिंग

पहले प्रेम चोरी-चोरी, चुपके-चुपके होता था। फिर उससे आगे पत्र व्यवहार के जरिए भी चोरी छुपे ही आगे बढ़ता था। प्रेमी एक दूसरे तक अपने प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए जान पर खेलकर नई- नई तकरीबें ढूंढ़ते थे। लेकिन अब एक झटके में इस सबकी जरूरत खत्म हो गई है। अब सीधे, चैटिंग, वीडियो कॉलिंग और स्काइ स्नैपिंग का दौर है। जिस पर कोई भी पहरा कारगर नहीं है। यही कारण है कि पहले गांव में जहां स्वतः युवा पीढ़ी प्रेम संबंध बनाते समय अपनी जातियों और धर्मों का ख्याल रखती थी, वहीं अब ये सारी सीमाएं एक झटके में टूट गई हैं और अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक प्रेम संबंध खूब बढ़ रहे हैं।

प्रेम कहानियों में एक-दूसरे को संदेश पहुंचाने के लिए कबूतरों का जिक्र आता ही है। आज के डिजिटल दौर में पलक झपकते ही प्रेमी-प्रेमिका अपना संदेश पहुंचा लेते हैं लेकिन सदियों से कबूतरों का संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है।

सदियों तक रहा प्रेमियों का संदेशवाहक कबूतर

{ रोचक / के. पी. सिंह }

फरवरी माह आते ही सदियों तक प्रेमियों के संदेशवाहक रहे कबूतरों की याद आने लगती है। कबूतर और स्वान पक्षियों की चर्चा हमेशा प्रेम आख्यानों के साथ जुड़ी रही है, क्योंकि ये प्रेम और वफादारी के प्रतीक माने जाते हैं।

कबूतरों में होती है विलक्षण क्षमताः इंसान ने सदियों पहले कबूतरों के साथ एक कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित किया था, जिसे 'हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन' कहा जाता था। वास्तव में यह संचार व्यवस्था, कबूतरों की दिशा पहचानने के मामले में अद्भुत क्षमता के कारण विकसित हुई। कबूतरों में घर लौटने की अद्भुत क्षमता होती है। इसे 'हॉमिंग इंस्टिंक्ट' कहते हैं। हालांकि आधुनिक बेतार संचार व्यवस्था के उच्च स्तर पर विकसित होने के कारण अब दुनिया में हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन का इस्तेमाल करीब-करीब खत्म हो चुका है, लेकिन कहीं-कहीं लोग शौकिया तौर पर और कहीं कहीं विशिष्ट तकनीक के रूप में इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि कबूतरों में आज भी संदेशवाहक बनने की क्षमता मौजूद है। कबूतरों के दिमाग में 'मैग्नोरिसेप्टर' मौजूद होता है, जिससे वे पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को समझ पाते हैं और लंबी दूरी तक सही दिशा की पहचान कर सकते हैं। यही नहीं कबूतर सूरज की स्थिति और वातावरण में गंध का उपयोग करके भी रास्ता पहचानते हैं। इसका सबूत ये है कि किसी कबूतर को अगर एक जगह लंबे समय तक रखकर पाला जाए, तो उसे कितने ही अजनबी ढंग से किसी अंजान जगह में छोड़ दीजिए, वह अपने पुराने स्थान पर हर हाल में लौट आएगा।

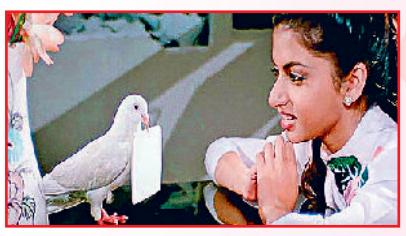

फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत का एक दृश्य

सदियों से निभाते रहे हैं संदेशवाहक की भूमिकाः हालांकि यह ठीक-ठीक कहीं तथ्य के रूप में दर्ज नहीं है कि पहली बार कबूतरों को संदेशवाहकों के रूप में किस देश ने और कब प्रशिक्षित किया, लेकिन तीन हजार साल पहले के ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखें तो मेसोपाटामिया, मिस्र और फारस में ऐसे साक्ष्य मिलते हैं कि लोग कबूतरों का इस्तेमाल निजी संदेश पाने और भेजने के लिए किया करते थे। प्राचीन मिस्र की चित्रलिपि 'हायरोग्लिफिक्स' में कबूतरों के ऐसे चित्र और उनके उल्लेख ईसा के 2900 वर्ष पूर्व के मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि करीब 5000 साल पहले लोग कबूतरों का इस्तेमाल संदेश भेजने और पाने के लिए किया करते थे। मिस्र की तरह ही यूनान में भी करीब 2700 साल पहले ओलंपिक खेलों के विजेताओं की घोषणा करने के लिए एथेंस से दूसरे विभिन्न शहरों के लिए कबूतरों को खिलाड़ियों की सूची के साथ भेजा जाता था। माना जाता है कि करीब 1900 साल पहले जूलियस सीजर की सेना कबूतरों का सैन्य संदेश भेजने और पाने के लिए उपयोग करती थी। अगर भारत की बात करें तो मुगलों के दौर में खासकर अकबर और औरंगजेब कबूतरों के जरिए अपने मित्रों को संदेश भेजने और उनसे संदेश पाने के लिए किया करते थे। वे इन्हें हवाबाज कहते थे।

फिल्मों में भी किया इस्तेमालः बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कबूतर जा जा जा..' जैसा गाना विशुद्ध रूप से किसी शायर की कल्पना नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में अभी भी निजी तौर पर कबूतरों के माध्यम से प्रेम संदेश भेजने की यह व्यवस्था बनी हुई है, लेकिन इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

आज भी किया जाता है उपयोगः ऐसी भी बात नहीं है कि पश्चिमी देश, जहां सारी आधुनिक कम्युनिकेशन तकनीक विकसित हुई है, वहां कबूतरों की खासियत कोई जानता ही न हो। सच तो यह है कि आज भी ब्रिटेन और अमेरिका की सेना में आपदा राहत अभियानों के दौरान दर्जनों प्रशिक्षित कबूतरों का इधर से उधर संदेश भेजने और पाने में इस्तेमाल किया जाता है। चीन में तो कुछ दशकों पहले तक इनकी बकायदा एक सैन्य टुकड़ी ही हुआ करती थी, जो पीपुल्स आर्मी को मदद करती थी। फ्रांस में भी कुछ पुरानी सैन्य ईकाईयों में आज भी इनका उपयोग होता है। *

नहीं भूल सकते वो प्यारे पल

{ एक्सप्रेशंस }

किसी से प्यार होना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। पहली मुलाकात फिर दोस्ती, इसके बाद प्यार और शादी। इस सुहाने सफर में यादगार पल भी होते हैं। नामचीन टीवी आर्टिस्ट्स बयां कर रहे हैं अपने वो खूबसूरत अहसास। साथ में यह भी बता रहे हैं कि उन्हें अपने पार्टनर से कितना प्यार है?

दोस्ती सच्चे प्यार की नींव होती है राधिका मुथुकुमार

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभा रहीं राधिका मुथुकुमार अपने जीवन में प्यार को बहुत महत्व देती हैं। जीवन साथी अभिषेक अय्यर से अपनी पहली मुलाकात, प्यार और शादी के बारे में वह मंद-मंद मुस्कुराते हुए बताती हैं, 'हमारी अभिषेक से पहली मुलाकात शादी से करीब एक साल पहले 2019 में मुंबई में हुई थी। हालांकि इससे पहले हम फोन पर और मैसेज के जरिए बात करते थे। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे पहले दोस्ती हुई, यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए। मुझे लगता है कि वैवाहिक रिश्ते में बंधने से पहले दोस्त बनना जरूरी है, क्योंकि सच्चे प्यार की नींव दोस्ती पर ही टिकती है।' अपने पार्टनर के साथ अपनी बॉन्डिंग और साथ बिताए खूबसूरत पलों के बारे में राधिका बताती हैं, 'मेरा अपने पार्टनर के साथ बिताया प्यार भरा कोई एक पल खास नहीं है, हमारे प्यार का हर पल खास है। मैं अपने प्यार के हर पल को दिल में सहेजकर रखती हूं। अभिषेक के साथ हमारा रिश्ता इसलिए मजबूत है, क्योंकि हमारे बीच गहरी दोस्ती है। हमारी दोस्ती में एक पारदर्शिता होती है। अभिषेक मेरी बहुत परवाह करते हैं, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं, मैं भी उन्हें बेइंतहा प्यार करती हूं।' *

नताशा मेरी सबसे बड़ी ताकत है : आदित्य रेडिज

सोनी सब चैनल के शो 'तेनाली रामा' में कृष्ण देव राय का रोल प्ले कर रहे आदित्य रेडिज की अपनी वैलेंटाइन नताशा शर्मा से पहली मुलाकात उनके पहले शो के प्रोड्यूसर के साथ मीटिंग के समय हुई थी। आदित्य बताते हैं, 'मैं जब प्रोड्यूसर के केबिन में दाखिल हुआ तो नताशा बैठी थी। उसकी मौजूदगी में कुछ तो ऐसा था, जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था। किस्मत से हम दोनों उस शो के लीड कपल के तौर पर फाइनल हुए। वक्त के साथ हमने एक-दूसरे को समझा, इसके बाद हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए।' आदित्य आगे बताते हैं, 'जहां तक नताशा के साथ किसी यादगार लम्हे की बात है तो वो है, हमारे बेटे आर्यांश के जन्म का दिन। जब पहली बार मैंने और नताशा ने उसे एक साथ अपने हाथों में लिया। वो एहसास, वो खुशी हम दोनों के दिल में हमेशा बसी रहेगी। इस वैलेंटाइन-डे पर मैं नताशा से कहूंगा, वो सिर्फ मेरी पत्नी ही नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक भी है।' *

हमारा रिश्ता जादुई प्रेम कहानी जैसा है : आयुषी खुराना

जी टीवी के शो 'जाने अंजाने हम मिले' में रीत चौधरी का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना और सूरज कक्कड़ की शादी को अभी कुछ ही महीने बीते हैं। सूरज से पहली मुलाकात और अपने रिश्ते के बारे में आयुषी बताती हैं, 'सूरज और मैं पहली बार एक एपिसोडिक शो के सेट पर मिले थे। शुरुआत में हमारे बीच हल्की-फुल्की नोक-झोंक, फ्लर्टिंग और मजाक-मस्ती होती रहती थी। लेकिन धीरे-धीरे हमारे गहरे रिश्ते बन गए और बाद में हमारी शादी हो गई। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह सच में एक जादुई प्रेम कहानी लगती है।' आयुषी अपने प्यार से जुड़े कुछ यादगार पल साझा करती हैं, 'हम एक गांव में शूटिंग कर रहे थे। सूरज को शेव करनी थी, लेकिन वहां आस-पास शीशा रखने या टिकाने की कोई जगह नहीं थी। तब मैंने उनके लिए शीशा पकड़ा। सूरज ने मुझसे कहा- जिस पल तुमने मेरे लिए वह शीशा पकड़ा, उसी पल मुझे तुमसे प्यार हो गया। सच, वह पल हमारे लिए बेहद खास था।' *

मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं : आशीष दीक्षित

सन नियो के लोकप्रिय शो 'छठी मैया की बिटिया' में कार्तिक का किरदार निभा रहे आशीष दीक्षित अपनी वैलेंटाइन श्वेता कनोजे से पहली मुलाकात को याद करते हुए बताते हैं, 'श्वेता से मेरी पहली मुलाकात बड़ौदा के राजवंत पैलेस में एक हॉरर फिल्म के सेट पर हुई थी। वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। मुंबई लौटने के बाद हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। करीब तीन साल तक एक-दूसरे को जानने-समझने के बाद हमें अहसास हुआ कि हमारा प्यार इतना मजबूत है कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। अपनी पार्टनर के साथ किसी यादगार रोमांटिक मोमेंट के बारे में पूछने पर आशीष बताते हैं, 'मैं एक शो शूट कर रहा था। उस दौरान मुझे करीब चार-पांच दिन की छुट्टी मिली थी। मैंने और श्वेता ने सोचा कि इस समय को खास बनाया जाए, इसलिए हम गोवा घूमने चले गए। वहां बिताया हुआ हर पल अनोखा था! समंदर किनारे टहलना, कैंडल लाइट डिनर, रोमांटिक शामें और ढेर सारी मस्ती, न कोई टेंशन थी, न कोई भागदौड़... हर लम्हा बेहद खास था। सच कहूं, तो मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं।' *

सायक का साथ मेरे लिए अनमोल है : विदिशा श्रीवास्तव

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाबी जी घर पर हैं' में अनीता मिश्रा के रोल में दिख रहीं विदिशा श्रीवास्तव की अपने हमसफर सायक पॉल के साथ पहली मुलाकात शो के सेट पर ही हुई थी। विदिशा बताती हैं, 'पहले हमारे बीच सिर्फ हल्की-फुल्की बातें होती थीं, फिर बाद में यह बातचीत लंबी चलने लगी। हम एक-दूसरे की पसंद-नापसंद समझने लगे। हमारी सोच, हमारे विचार और जीवन को देखने का नजरिया काफी हद तक मिलता-जुलता था। जब भी हम साथ होते, सब कुछ बहुत खुशनुमा लगने लगता। यहीं से हमारी दोस्ती ने प्यार का खूबसूरत सफर तय करना शुरू कर दिया।'

अपनी लव-लाइफ के खूबसूरत मोमेंट्स को याद करती हुई विदिशा कहती हैं, 'जो लम्हा मेरे दिल के सबसे करीब है, वह मेरी बेटी के जन्म का है। जब मैं मां बनी, उस समय सायक पूरे समय मेरे साथ रहते थे। उस पल उनकी आंखों में जो प्यार और अपनत्व था, वह मैं कभी नहीं भूल सकती। मेरे हर दर्द, हर खुशी में उन्होंने मेरा हाथ थामे रखा। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सायक जैसा हमसफर मिला। उनका साथ मेरे लिए बहुत अनमोल है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

{ बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह }

लव स्टोरीज के जिक्र के बिना हिंदी फिल्मों का ब्योरा अधूरा ही रहता है। शुरुआती दौर से अब तक ऐसी बेशुमार फिल्में बनती रही हैं। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें प्यार को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया। ऐसी ही पांच फिल्मों पर एक नजर।

5 ट्रेडिशनल लव स्टोरीज से इतर रोमांटिक फिल्में

दर्शकों को खूब भाया 'मनमर्जियां' का लव एंगल

एकतरफा प्यार पर बनी 'ऐ दिल है मुश्किल'

बॉलीवुड में प्यार और रोमांस पर आधारित जितनी फिल्में बनी हैं, उतनी किसी अन्य विषय पर नहीं बनीं। इनमें अधिकतर फिल्में प्रेम त्रिकोण पर, गरीब लड़का-अमीर लड़की या अमीर लड़का-गरीब लड़की, दो दुश्मन खानदानों के बच्चों के बीच प्रेम हो जाने जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। क्लासिकल प्रेम कथाओं जैसे, 'लैला-मजनू', 'सोनी-महिवाल', 'हीर-रांझा' आदि से इतर हाल के सालों में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जो दर्शकों के मन में ठहर गई हैं।

पर्दे पर दिखते हैं प्यार के नए स्वरूपः बदलते वक्त के साथ फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में प्यार को बदलते दौर के अनुसार प्रेजेंट करने का भी प्रयास किया है। आधुनिक फिल्मकार अलग-अलग तरह से प्रेम को परिभाषित कर रहे हैं। उनका ये एक्सपेरिमेंट इतना रियलिस्टिक होता है कि कई बार दर्शक फिल्म के कैरेक्टर्स में अपना ही अक्स देखने लग जाते हैं।

मैरिड लव का अलग एंगल दिखाती दम लगा के हईशाः साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दम लगा के हईशा' में मैरिड रोमांस का एक अलग ही एंगल दिखाया गया है। प्रेम (आयुष्मान खुराना) एक स्कूल ड्रॉप आउट है, जिसकी एक उच्च शिक्षित लेकिन ओवरवेट लड़की संध्या (भूमि पेडनेकर) से शादी हो जाती है। प्रेम को अपनी मोटी पत्नी पर शर्म आती है और वह उस पर फब्तियां कसता रहता है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब नहीं आ पाते हैं, फिर भी दोनों एक दौड़ में साथ हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाते हैं और इसी कोशिश में वह एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

साधारण लेकिन अर्थपूर्ण कहानी के साथ निर्देशक शरत कटारिया ने शानदार काम किया है। भूमि और आयुष्मान ने भी अपने-अपने अभिनय से प्रभावित किया है।

मनमर्जियां में दिखा प्यार का नया विजनः अनुराग कश्यप की यह फिल्म उनकी बाकी फिल्मों से कई मायने में अलग है। साल 2018 में रिलीज हुई 'मनमर्जियां' वैसे तो परंपरागत प्रेम त्रिकोण पर ही आधारित है, लेकिन इसे नए युग की प्रेम कथा के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल की हैं। फिल्म में प्रेम और संबंधों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जो दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर जाता है। 'मनमर्जियां' उस उलझन और उन भावनाओं को व्यक्त करती है, जो प्रेम में पड़े एक व्यक्ति के सामने आती हैं। रूमी (तापसी पन्नू) और विक्की (विक्की कौशल) को एक-दूसरे से प्यार है, लेकिन जब शादी की बात आती है तो विक्की के हाथ-पैर फूल जाते हैं, वह जिम्मेदारी उठाने से बचता है और इस विषय को टाल जाता है। रूमी जीवन में सैटल होना चाहती है, लेकिन जब वह देखती है कि उसका प्रेम तार्किक मंजिल (शादी) पर नहीं पहुंचने वाला है, तो वह अपने प्रेम का त्याग कर देती है और रोबी (अभिषेक बच्चन) से अरेंज मैरेज करने के लिए तैयार हो जाती है। विक्की के बारे में जानने के बावजूद रोबी रूमी से प्यार करने लगता है। इसके बाद की कहानी इस बात को लेकर आगे चलती है कि ये तीनों अपने-अपने प्रेम का किस तरह से सामना करते हैं?

एकतरफा प्यार की कहानी ऐ दिल है मुश्किलः हममें से शायद ही कोई हो, जिसे अपने जीवन में कम से कम एक बार एकतरफा प्यार न हुआ हो। करण जौहर की साल 2016 में रिलीज 'ऐ दिल है मुश्किल' एक तरफा प्रेम पर ही आधारित फिल्म है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान की हैं। अयान (रणबीर कपूर) की अलिजेह (अनुष्का शर्मा) से दोस्ती फिर उससे प्रेम हो जाता है, लेकिन अलिजेह प्यार का कोई जज्बा महसूस नहीं करती है। अयान अपने एक तरफा प्रेम का किस तरह से सामना करता है, यही कहानी का निचोड़ है। यह फिल्म हमें रुलाती है, हंसाती है और इसके पात्रों से हमें प्यार हो जाता है, क्योंकि उनमें हम अपना ही रूप देख रहे होते हैं।

प्यार-खुशी-दिल टूटने की कहानी बर्फीः अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'बर्फी' (2012) की कहानी इतनी सच्ची लगती है कि इसको जितनी बार भी देख लो दिल पिघल जाता है। यह फिल्म प्यार, खुशी और दिल टूटने से भरी हुई है। बर्फी (रणबीर कपूर) मूक-बधिर व्यक्ति है, जिसे श्रुति (इलियाना डिक्रूज) से प्यार हो जाता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण श्रुति को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करनी पड़ जाती है। वर्षों बाद श्रुति को मालूम होता है कि बर्फी, झिलमिल (प्रियंका चोपड़ा) से प्यार कर रहा है, जोकि एक ऑटिस्टिक लड़की है, तब वह अपने विवाह पर पुनःविचार करती है।

नॉनट्रेडिशनल-अट्रैक्टिव लव स्टोरी लुटेराः ओ हेनरी की कहानी 'द लास्ट लीफ' पर आधारित फिल्म 'लुटेरा' बनी है, जोकि बहुत परिपक्व प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। आत्मानंद त्रिपाठी (रणवीर सिंह) एक जालसाज है और पाखी (सोनाक्षी सिन्हा) एक जमींदार की बेटी है। कहानी इन दोनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। पाखी के साथ धोखाधड़ी होती है। पाखी पीड़ित होने के बावजूद जालसाज के प्रति आकर्षित होने लगती है। इस खामोश प्रेम को दोनों महसूस करते हैं, लेकिन इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। यह गैर-परंपरागत प्रेमकथा होने के बावजूद दर्शकों पर गहरा असर छोड़ती है। *